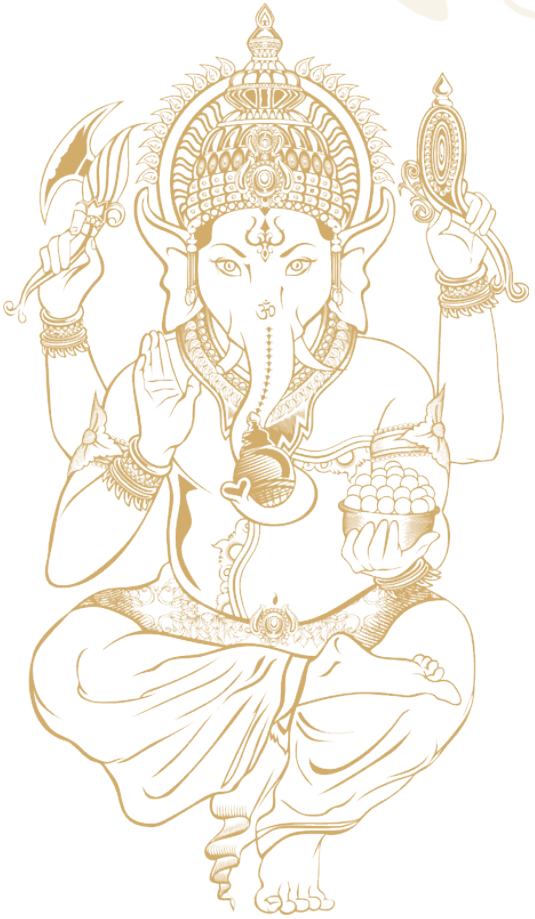

Chetan

27 Jul 2005

07:45 PM

Sardarshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121052010

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/07/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:45:00 घंटे**
इष्ट	34:45:26 घटी
स्थान	**Sardarshahr**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	74:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:13:00 घंटे
वेलान्तर	-00:06:31 घंटे
साम्पातिक काल	15:34:26 घंटे
सूर्योदय	05:50:49 घंटे
सूर्यास्त	19:25:43 घंटे
दिनमान	13:34:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:42:17 कर्क
लग्न के अंश	17:26:21 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	17:26:21	430:02:37	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
सूर्य			कर्क	10:42:17	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	04:02:42	13:17:49	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मेष	05:42:05	00:35:13	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	कर्क	25:42:31	00:22:03	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	18:45:55	00:08:04	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	11:32:17	01:12:04	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	07:29:46	00:07:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
राहु			मीन	22:38:48	00:00:18	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
केतु			कन्या	22:38:48	00:00:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	16:08:55	00:01:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	22:35:44	00:01:35	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	28:13:50	00:01:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृश्चि	01:59:59	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:01

लग्न-चलित

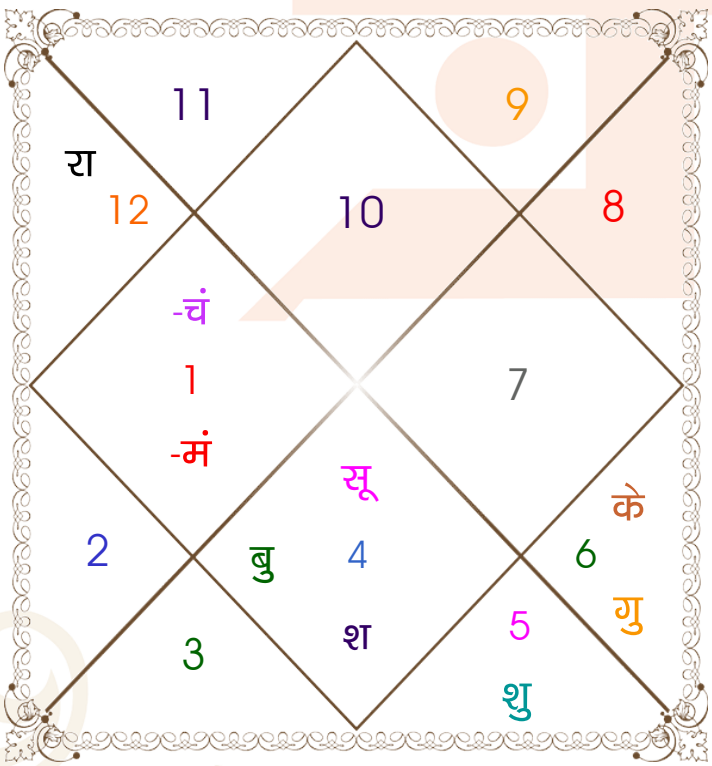

चन्द्र कुंडली

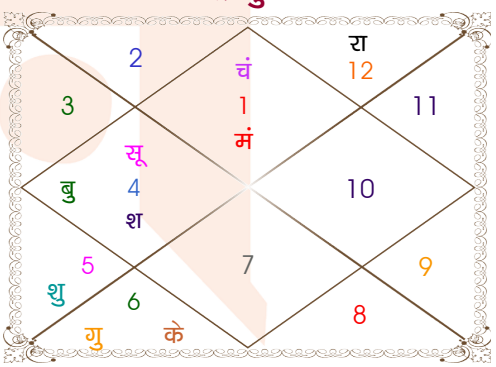

नवमांश कुंडली

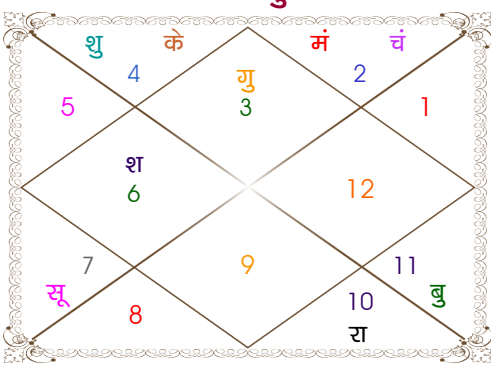

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 10 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/07/2005		12/06/2010		12/06/2030		12/06/2036		12/06/2046	
12/06/2010		12/06/2030		12/06/2036		12/06/2046		12/06/2053	
	00/00/0000	शुक्र	12/10/2013	सूर्य	30/09/2030	चंद्र	12/04/2037	मंगल	09/11/2046
	00/00/0000	सूर्य	12/10/2014	चंद्र	01/04/2031	मंगल	11/11/2037	राहु	27/11/2047
	27/07/2005	चंद्र	12/06/2016	मंगल	06/08/2031	राहु	13/05/2039	गुरु	02/11/2048
चंद्र	15/12/2005	मंगल	12/08/2017	राहु	30/06/2032	गुरु	11/09/2040	शनि	12/12/2049
मंगल	13/05/2006	राहु	12/08/2020	गुरु	18/04/2033	शनि	13/04/2042	बुध	09/12/2050
राहु	31/05/2007	गुरु	13/04/2023	शनि	31/03/2034	बुध	12/09/2043	केतु	07/05/2051
गुरु	06/05/2008	शनि	12/06/2026	बुध	05/02/2035	केतु	12/04/2044	शुक्र	06/07/2052
शनि	15/06/2009	बुध	12/04/2029	केतु	13/06/2035	शुक्र	12/12/2045	सूर्य	11/11/2052
बुध	12/06/2010	केतु	12/06/2030	शुक्र	12/06/2036	सूर्य	12/06/2046	चंद्र	12/06/2053

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/06/2053		13/06/2071		13/06/2087		13/06/2106		14/06/2123	
13/06/2071		13/06/2087		13/06/2106		14/06/2123		00/00/0000	
राहु	23/02/2056	गुरु	31/07/2073	शनि	15/06/2090	बुध	09/11/2108	केतु	10/11/2123
गुरु	19/07/2058	शनि	11/02/2076	बुध	23/02/2093	केतु	06/11/2109	शुक्र	09/01/2125
शनि	25/05/2061	बुध	19/05/2078	केतु	03/04/2094	शुक्र	06/09/2112	सूर्य	17/05/2125
बुध	12/12/2063	केतु	25/04/2079	शुक्र	03/06/2097	सूर्य	14/07/2113	चंद्र	28/07/2125
केतु	30/12/2064	शुक्र	24/12/2081	सूर्य	16/05/2098	चंद्र	13/12/2114		00/00/0000
शुक्र	31/12/2067	सूर्य	12/10/2082	चंद्र	15/12/2099	मंगल	10/12/2115		00/00/0000
सूर्य	23/11/2068	चंद्र	11/02/2084	मंगल	24/01/2101	राहु	29/06/2118		00/00/0000
चंद्र	25/05/2070	मंगल	17/01/2085	राहु	01/12/2103	गुरु	04/10/2120		00/00/0000
मंगल	13/06/2071	राहु	13/06/2087	गुरु	13/06/2106	शनि	14/06/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।